Observance of the International Mother Language Day 2023
[21 February 2023, 1500-1700 hrs]

Statement by Ambassador Ruchira Kamboj
Permanent Representative of India to the UN

President of the General Assembly
Excellencies,
Distinguished Colleagues and Friends,

Namaskar!

सर्वप्रथम मैं अपने सम्मानित सहयोगी, बांग्लादेश के स्थायी प्रतिनिधि को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने, और इस नेक पहल के लिए धन्यवाद देती हूं। इस कार्यक्रम में उपस्थिति, मेरे लिए सम्मान का विषय है।

मातृभाषा, मनुष्य के लिए, दुनिया देखने का एक झरोखा है। यह न केवल परंपरा और संस्कृति का एक अभिन्न अंग है, बल्कि पहचान और गरिमा का स्रोत भी है।

मातृभाषा ही व्यक्ति की एकमात्र साथी होती है, जो जीवन भर उसके साथ चलती है।

यह अच्छी तरह से शोध किया गया है कि मातृभाषा के माध्यम से सीखना गहन, तीव्र और अधिक प्रभावी होता है।

माता और मातृभाषा दोनों मिलकर जीवन की नींव को मजबूत करती हैं; इसे स्थायित्व प्रदान करती हैं। जैसे हम अपनी मां को नहीं छोड़ सकते, वैसे ही हम अपनी मातृभाषा को भी नहीं छोड़ सकते।

Excellencies,

The theme of the 2023 International Mother Language Day, “Multilingual education – a necessity to transform education” aligns perfectly with the National Education Policy 2020 of India.

The Policy focuses on promoting the mother tongue as the medium at the foundational stage.

The National Curriculum Framework 2022 of India has recommended that the mother tongue should be the primary medium of instruction for children

till eight years of age. This will be followed by both public and private schools.

We sincerely believe that there should be no restriction on foundational learning in the mother tongue, because such restriction could potentially result in loss of traditions, culture and identity.

As you all know, India is a land of diversity. The diversity which we not only recognize but celebrate: 'Unity in Diversity', is at the core of our existence.

India's various local and regional languages have their own ancient history and literature. It may surprise some of you to know that in India over 19,500 languages or dialects are spoken as mother tongues.

I should also inform you that 22 languages are recognized in the Indian Constitution. Overall, there are 121 languages which are spoken by 10,000 or more people in India. 14 of these languages are spoken by more than 10 million people in everyday life.

There can be no doubt that India is one of the most linguistically diverse countries in the world.

महामहिम,

भारत के महान दार्शनिकों ने मातृभाषा के महत्व पर विधिवत जोर दिया है ।

श्री अरबिंदो का मानना था कि बच्चों का तात्कालिक वातावरण, उनके परिचित अनुभव और उनकी मातृभाषा, शिक्षण और सीखने का आधार होनी चाहिए।

स्वामी विवेकानन्द ने शरीर, मन और आत्मा की समग्र तैयारी के लिए आत्म-ज्ञान पर जोर दिया।

आइए, इस अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर हम अपनी मातृभाषाओं की रक्षा और संवर्धन को मजबूत करने, सभी भाषाओं का सम्मान करने और आने वाली पीढ़ियों के पोषण के लिए मातृभाषा पर ध्यान केंद्रित करने का संकल्प लें।

मैं पुनः आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देती हूं।

धन्यवाद।